राजभाषा माह के उपलक्ष्य में
अध्यक्ष–सह–प्रबन्ध–निदेशक, सीसीएल का

संदेश

प्रिय साथियों,

भाषा का महत्व और सार्थकता इसी में है कि हम कितने सरल एवं आत्मीयता के साथ अपने भाव और विचार दूसरों तक संप्रेषित कर सकते हैं। यह हमारे लिए गौरव की बात है कि बहुभाषा–भाषी देश के निवासी होने के साथ–साथ हम एक भाषा बहुल राष्ट्र के भी निवासी हैं। सभी भाषाओं में हिंदी का एक अपना विशिष्ट स्थान है। यह देश के सबसे बड़े भू–भाग में बोली जाती है और इस भाषा की खासियत यह है कि हिंदी केवल संप्रेषण का ही काम नहीं करती अपितु प्रेम एवं भाईचारा तथा राष्ट्रीयता को भी संस्कारित करती है। अपनी इस विशेषता के कारण 14 सितंबर, 1949 को देवनागरी लिपि में लिखी जाने वाली हिंदी को संघ की राजभाषा के रूप में स्वीकार किया गया। उसी दिन से ही स्वाधीन भारत के इतिहास में हिंदी को विशेष गरिमा एवं गौरव प्राप्त हुई तथा सभी कार्यालयों में इस दिन को हिंदी दिवस के रुप में मनाया जाता है।

सीसीएल के सभी अधिकारियों और कर्मचारियों से अपेक्षा है कि अपना कार्यालयीन काम हिंदी में करने के उत्तरदायित्व का पूरी ईमानदारी और निष्ठा के साथ निर्वाह करें। इससे न केवल हम अपने संवैधानिक दायित्व का पालन करेंगे अपितु राष्ट्र के प्रति सम्मान तथा राष्ट्रीय एकता को भी मजबूती प्रदान करेंगे। यह सत्य है कि कोयला उद्योग में अधिकांश कार्य तकनीकी स्वरूप का है तथापि यदि हम सच्ची लगन एवं निष्ठा से प्रयास करें तो सभी काम राजभाषा हिंदी में किया जाना संभव हो सकेगा। व्यवहारिक रूप में हम लोग सभी तकनीकी बैठकों में अधिकांश चर्चा हिंदी में करते हैं। अभ्यास और प्रबल इच्छाशक्ति की आवश्यकता है तभी हम हर तकनीकी विषयों से संबंधित टिप्पणियाँ हिंदी में लिखने में समर्थ हो सकेंगे। 'डिजिटल भारत' के लक्ष्य को पूरा करने में हिन्दी सक्षम है। कंप्यूटरों में उपलब्ध हिंदी सॉफ्टवेयर तथा सहायक संसाधनों का यदि समुचित उपयोग किया जाए तो निश्चय ही गृह मंत्रालय द्वारा निर्धारित लक्ष्य को पूरा करने में हम समर्थ हो सकेंगे।

गृह मंत्रालय, राजभाषा विभाग द्वारा हर वर्ष वार्षिक कार्यक्रम जारी किया जाता है। वर्ष 2020–21 के लिए वार्षिक कार्यक्रम प्राप्त हुआ है जिसमें 'क', 'ख' क्षेत्रों को शत प्रतिशत मूल पत्र एवं 'ग' क्षेत्र को 65% मूल पत्र हिंदी में भेजने का लक्ष्य रखा गया है। हम लक्ष्य की ओर निरंतर अग्रसर हैं तथापि लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए हमें और अधिक प्रतिबद्धता दर्शानी होगी। हिंदी में प्रारूप तैयार कर एवं हिंदी में नोटशीट प्रस्तुत कर दूसरों के लिए प्रेरणा स्रोत बनना होगा तभी हम लक्ष्य को प्राप्त कर सकेंगे। हमें खुशी है कि समय बदल रहा है। लोगों में हिंदी के प्रति जागरूकता भी आई है तथा मुख्यालय एवं क्षेत्रीय कार्यालयों में हर स्तर पर हिंदी में कार्यालयीन कार्य करने का एक माहौल बना है जिसे बरकरार रखते हुए और अधिक प्रयत्न करना है ताकि राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित लक्ष्य यथाशीघ्र पूरा किया जा सके।

सीसीएल में हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी सितंबर, 2020 माह में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन कोविड 19 को ध्यान में रखते हुए ऑन लाइन/ऑफ लाइन करने का निर्णय लिया गया है। इसका उद्देश्य यह है कि हम राजभाषा के प्रति अपने कर्तव्य हेतु सजग एवं प्रेरित हों तथा अपनी इच्छा शक्ति एवं संकल्प शक्ति से कार्यालयीन कामकाज हिंदी में करने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ हों। मुझे पूर्ण विश्वास है कि वर्ष पर्यंत सभी अधिकारी और कर्मचारी अपना संपूर्ण कामकाज हिंदी में करके अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय देंगे तभी इस आयोजन का उद्देश्य पूरा होगा।

इस सुअवसर पर मैं आह्वान करता हूँ कि आइए हम लोग राजभाषा और राष्ट्र के विकास में संपूर्ण योगदान देने का संकल्प लें कि हम संपूर्ण और वचन से देश और राजभाषा का गौरव बढ़ाने के लिए दृढ़ प्रतिज्ञ रहेंगे तथा इसकी प्रगति के लिए सदैव तत्पर रहेंगे।

शुभकामनाओं सहित।

पी एम प्रसाद

(पी एम प्रसाद)
अध्यक्ष–सह–प्रबंध निदेशक
सीसीएल, राँची।

दिनांक : 05 सितम्बर, 2020